मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BSKC–103

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत (बी.ए.एस.के.एच.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2023

बी.एस.के.सी.-103 : लौकिक संस्कृत गद्य साहित्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

खण्ड—क

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए— 20×3=60

(क) अग्निकार्यधूमेनेव मलिनीक्रियते हृदयम्, पुरोहितकुशाग्र सम्मार्जनीभिरिव अपहियते क्षान्तिः उष्णीषपट्टबन्धेनेव आच्छाद्यते जरागमनस्मरणम्, आतपत्रमण्डलेनेव अपसार्यते परलोकदर्शनम्, चामरपवनैरिव अपहियते सत्यवादिता, वेत्रदण्डैरिव उत्सार्यन्ते गुणाः, जयशब्दकलकलैरिव तिरस्क्रियन्ते साधुवादाः, ध्वजपट पल्लवैरिव परामृश्यते यशः।

(ख) अयमेव अहोरात्रं जनयति, अयमेव वासरं द्वादशसु भागेषु विभनक्ति, अयमव कारणं षण्णामृतूनाम् एष एवाङ्गीकरोति उत्तरं दक्षिणं चायनम्, एनेनैव सम्पादिता युगभेदाः एनेनैव कृताः कल्पभेदाः एनमेवाऽऽश्रित्य भवति परमेष्ठिनः परार्द्धसंख्या, असावेव चकंति, बर्भर्ति, जर्हर्ति च जगन, वेदा एतस्यैव वन्दिनः, गायत्री अनमेव गायति, ब्रह्मनिष्ठा ब्राह्मणा अनमेवाहररूपतिष्ठन्ते।

(ग) स पुनरिमान्प्रत्याह-'कोऽसौ मार्गः' इति। पुनरिमे ब्रुक्ते 'ननु चतस्रो राजविद्याः-त्रयी, वार्तान्वीक्षिकी दण्डनीतिरिति। तासु तिस्रत्रयीवार्तान्वीक्षिक्यो महत्यो मन्दफलाश्च तास्तावदासताम्। अधीश्व तावद्दण्डनीतिम्। इयमिदानीमाचार्यविष्णुगुप्तेन मौर्यार्थे षड्भिः श्लोकसहस्रैः संक्षिप्ता। सैवेयमधोन्य सम्यगनुष्ठीयमाना यथोक्तकर्मक्षमा' इति। स तथा इत्यधीते शृणोति च। तत्रैव जरां गच्छति। तत्रु किल शास्त्रं शास्त्रान्तरानुबन्धि।

(घ) भगवन्। बद्ध सिद्धासनैर्निरुद्ध-निःश्वासैः प्रबोधितकुण्डलिनीकैर्विजितदशेन्द्रियैरनाहत नाद-

तन्तुमवलम्ब्याऽज्ञाचक्रं संस्पृश्य, चन्द्रमण्डलं भित्वा, तेजः पुञ्जमविगणय्य, सहस्रदलकमलस्यान्तः प्रविश्य, परमात्मानं साक्षात्कृत्य, तत्रैव रम-माणैर्मृत्युञ्जयैरानन्दमात्रस्वरूपैर्ध्यानावस्थितैर्भवादृशैर्न ज्ञायते कालवेगः।

खण्ड—ख

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए— 10×4=40

(क) संस्कृत गद्य साहित्य के प्रमुख गद्यकार का वर्णन कीजिए।

(ख) शुकनासोपदेश के अनुसार लक्ष्मी के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

(ग) महाकवि दण्डी के व्यक्तित्व व रचनाओं पर लेख लिखिए।

(घ) 'विश्रुतचरितम्' का कथासार अपने शब्दों में विशेषताओं सहित लिखिए।

(ङ) सुबन्धु और पण्डित अम्बिकादत्त व्यास की भाषाशैली पर प्रकाश डालिए।